भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हज़ार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

04AA 002327/15

With the Permission L.R.D.C. Simdega vide Case No. 272 R 8 11/2014-15 order dt 28-01-15

14-3-15

§1§ लेख्यकारी :- श्री अमृत टेटे पिता स्व0 जोवाकिम टेटे जाति- खड़िया, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- सलडेगा बरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

...... बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या :- 118/2015

पैन न0 ए.डब्लु.आई.पी.टी.8982जी.

18/15

09 dt 02.02.1[illegible]

कार्यालय जिला कोषागार पदाधिकारी
16 FEB 2015
सिमडेगा

श्री सलीम कण्डुलना
स्व० आनन्द मसीह
कण्डुकन [illegible] (सिमडेगा)
खड़िया
अविभाजित नन जुडिशियल स्टाम्प
केवाला
5.46.50=00

कोषागार [illegible] 16/02/15

10,000×5=50,000
1,000×4=4,000
500×1=500
100×1=100
50×1=50

Total=54650=00
(चौवन हजार छः सौ पचास रुपये)

अंकित टेटे
14-3-15

14-3-15 10 to 1

अंकित टेटे 99
स्व० [illegible] टेटे
सलडेगा [illegible] सिमडेगा
खड़िया

14.3.15

14-3-15

जिला अवर निबंधक सिमडेगा
जिला-सिमडेगा (झारखण्ड)

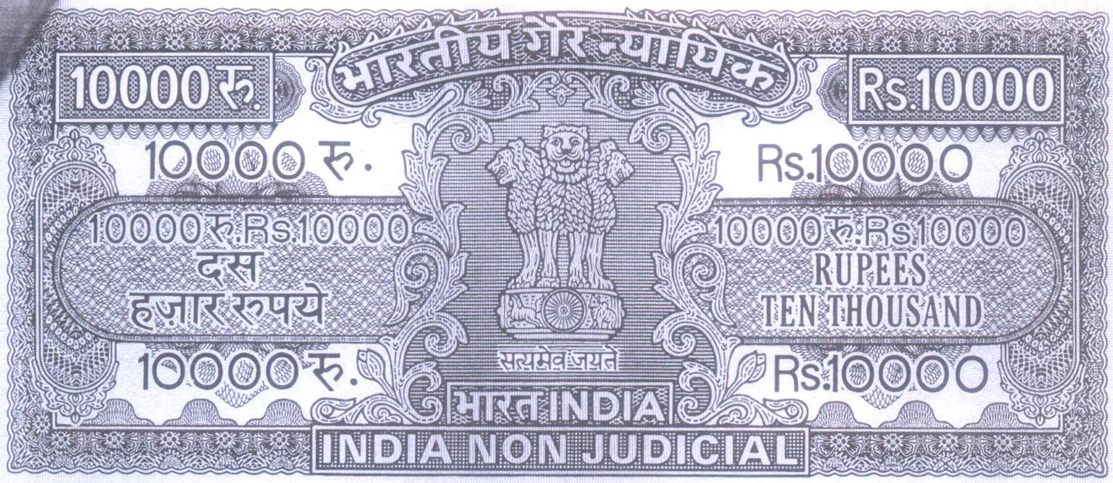

04AA 002328/15

(2) लेख्यधारी :- श्री सलोम कण्डुलना पिता स्व0 आनन्द मसीह कण्डुलना जाति- मुण्डा, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम-मुड़िया, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या :- 119/2015

(3) लेख्यप्रकार :- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा दिनों वास्ते बिक्री होता है ।

(4) मूल्य :- मोबलिग तेरह लाख छैयासठ हजार रूपया अंके 13,66,000/- रूपया होता है ।

(5) सम्पति :- एराजियात अन्दर मौजा- सलडेगा महतो टोली, थाना- सिमडेगा, थाना नं0 117, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के अन्तर्गत खाता नं0 56 (छप्पन) प्लॉट नं0 1790 (सतरह सौ नब्बे) रकबा 1.19 एकड़ में से 0.30 एकड़ (तीस डिसमिल) जिसकी चौहद्दी :-

उत्तर :- टांड़ प्लॉट नं0 1809,

दक्षिण :- पी. सी. सी. सड़क,

पूरब :- परती पत्थल,

पश्चिम :- टांड़ निज बिक्रेता ।

मालगुजारी 10 पैसा (दस पैसा) अलावे सेस सालाना ।

किशोर सोरेंग पिता- इलियस सोरेंग
ग्राम- सोनडे चिरोटोली
पोस्ट- सोनडे
थाना- सिमडेगा जिला सिमडेगा
14-3-15

अहमद ...
14-3-15

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये — RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

04AA 002329 | 15

वर्णित बिक्रीत जमीन आवासीय है जिसपर मकान या किसी प्रकार का निर्माण नहीं है ।

§1§ चूँकि मुझ लेख्यकारी को मकान निर्माण हेतु रूपयों की निहायत जरूरत पड़ी और बिना जमीन बेचे इस समय रूपया मिलने का कोई दूसरा उपाय नहीं पाकर मैंने लेख्यधारी से मेरी जमीन खरीदने का प्रार्थना किया जिसे उन्होंने जमीन खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा वो बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि वर्णित बिक्रीत जमीन हमारी खतियानी जमीन है जो आर. एस. में सानी खड़िया वगैरह के नाम से नाप दर्ज है जो मेरे परदादा हैं । मेरे परदादा, दादा एवं पिता का मृत्यु हो चुकी है । उक्त जमीन का आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा हो चुकी है और आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा के मुताबिक बिक्रीत जमीन मेरे पिता के हिस्से में पड़ी तथा मेरे

10000 रु. भारतीय गैर न्यायिक Rs.10000

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000 दस हजार रुपये

10000 रु. Rs.10000 RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

10000 रु. Rs.10000

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

04AA 002330 | 15

पिता की मृत्यु के पश्चात उपरोक्त जमीन मुझे उत्तराधिकारी के हैसियत से प्राप्त मेरे नीज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है तथा किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या वारदेन नहीं है ।

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए न्यायालय श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया जिसका वाद संख्या 272आर.8।।/2014-15 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 28.1.15 को प्राप्त हुई जिसका ज्ञापांक 74§।।§/RTO दिनांक 28.1.15 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिए अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से वो अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

मैं, घोषणा करता हूँ कि विक्रय वाली जमीन भू-हदबन्दी, कैसरे हिन्द, खास महल, भू-दान, खैरात, लीज, आम गैर मजरूआ से सम्बन्धित नहीं है ।

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

04AA 002331/15

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि बिक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

अमृत सेठ
14-3-15

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बाँयें हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
14.03.2015

अमृत सेठ
14-3-15

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

--6--

मैं लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

14-3-15

अभिप्रमाणित
संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
14.03.15

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारी के बाये हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
14.03.2015

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

--7--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

14-3-15

सही/- संजय कुमार महतो
अधिवक्ता

{प्रारूपकर्त्ता} 14.03.2015
तारीख:-

1000Rs.

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल आठ पृष्ठों में कुल 620 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा के साथ संलग्न है तथा पेज नं0 9, 10, 11 एवं 12 खाली है ।

टंकक

मो0 महबूब

14-3-15

मो0 महबूब
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL
१000रु.
Rs 1000
सत्यमेव जयते
भारत
एक हज़ार रूपये
ONE THOUSAND RUPEES

--9—